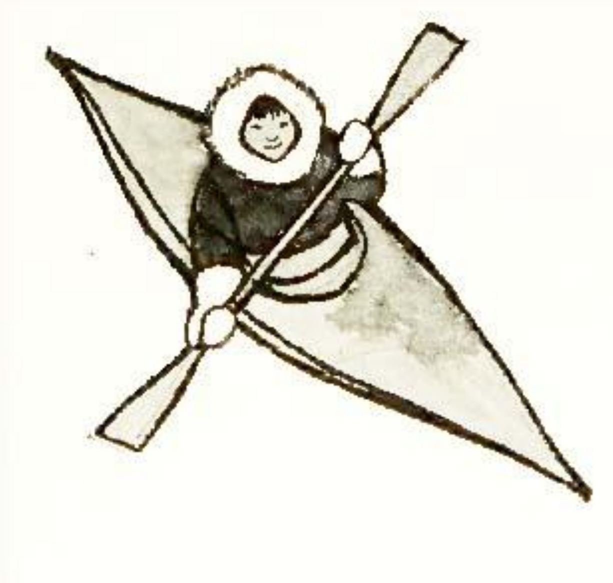
# आइए एस्किमोस के बारे में जानें



एलेनोर और टेड वीज़ेन्थल, चित्र: एलन एट्ज़ेन

हिंदी: नीला त्रिवेदी

# आइए एस्किमोस के बारे में जानें



एलेनोर और टेड वीज़ेन्थल

चित्र: एलन एट्ज़ेन

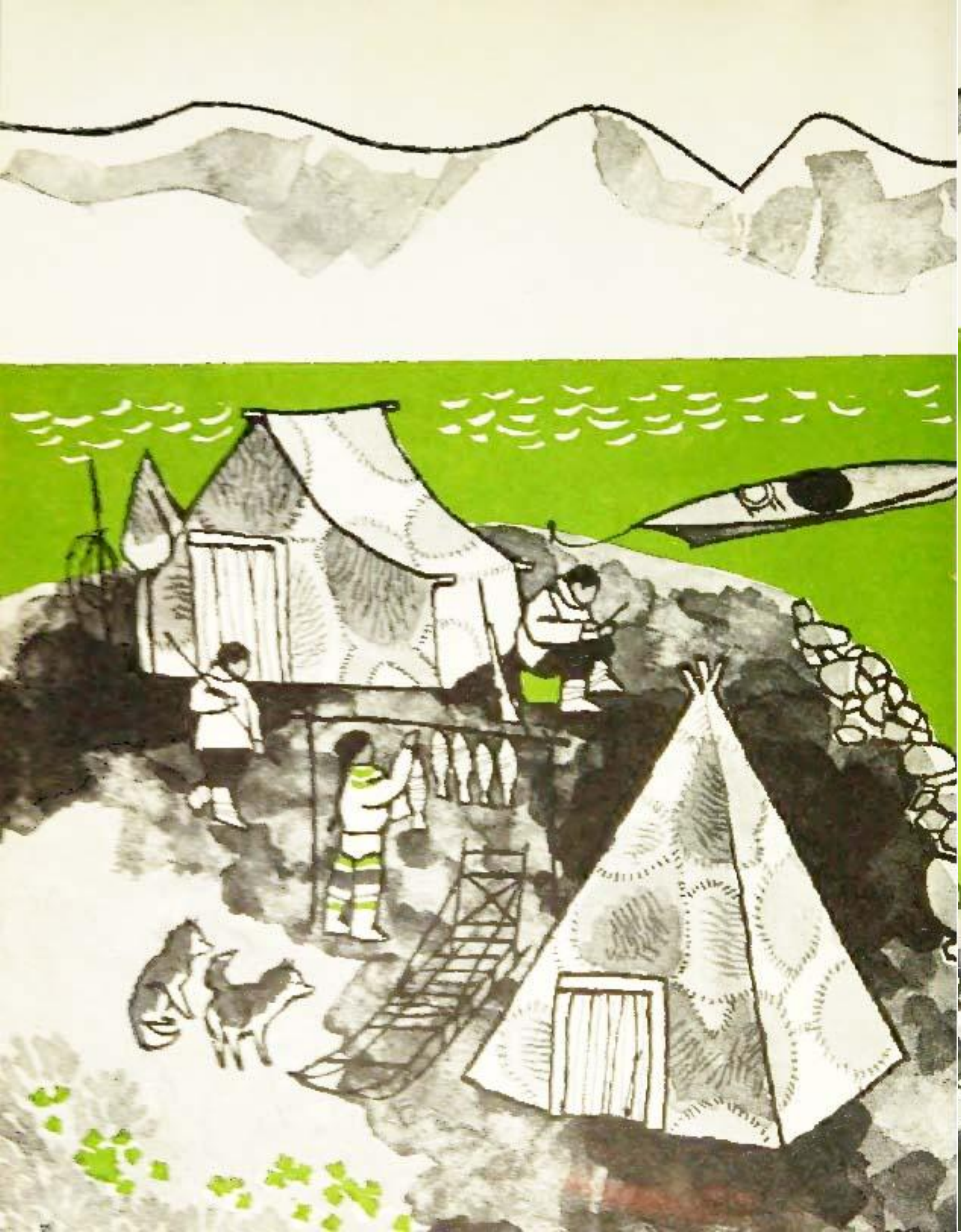
हिंदी: नीला त्रिवेदी





एस्किमोस  सुदूर उत्तर में रहते हैं। इस क्षेत्र को आर्कटिक कहा जाता है। सुदूर उत्तर में सर्दियाँ लंबी, अँधेरी और बहुत ठंडी होती हैं।

आर्कटिक की सर्दियों में सूर्य की रोशनी लगभग दिखाई ही नहीं देती। लगभग पूरे वर्ष वहाँ की अधिकांश भूमि बर्फ से ढकी रहती है।



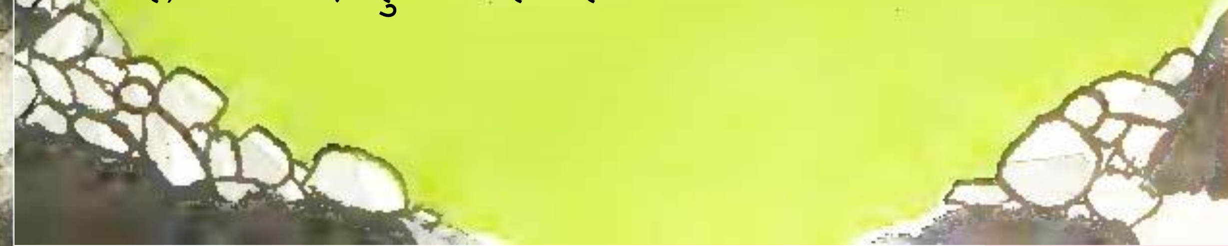


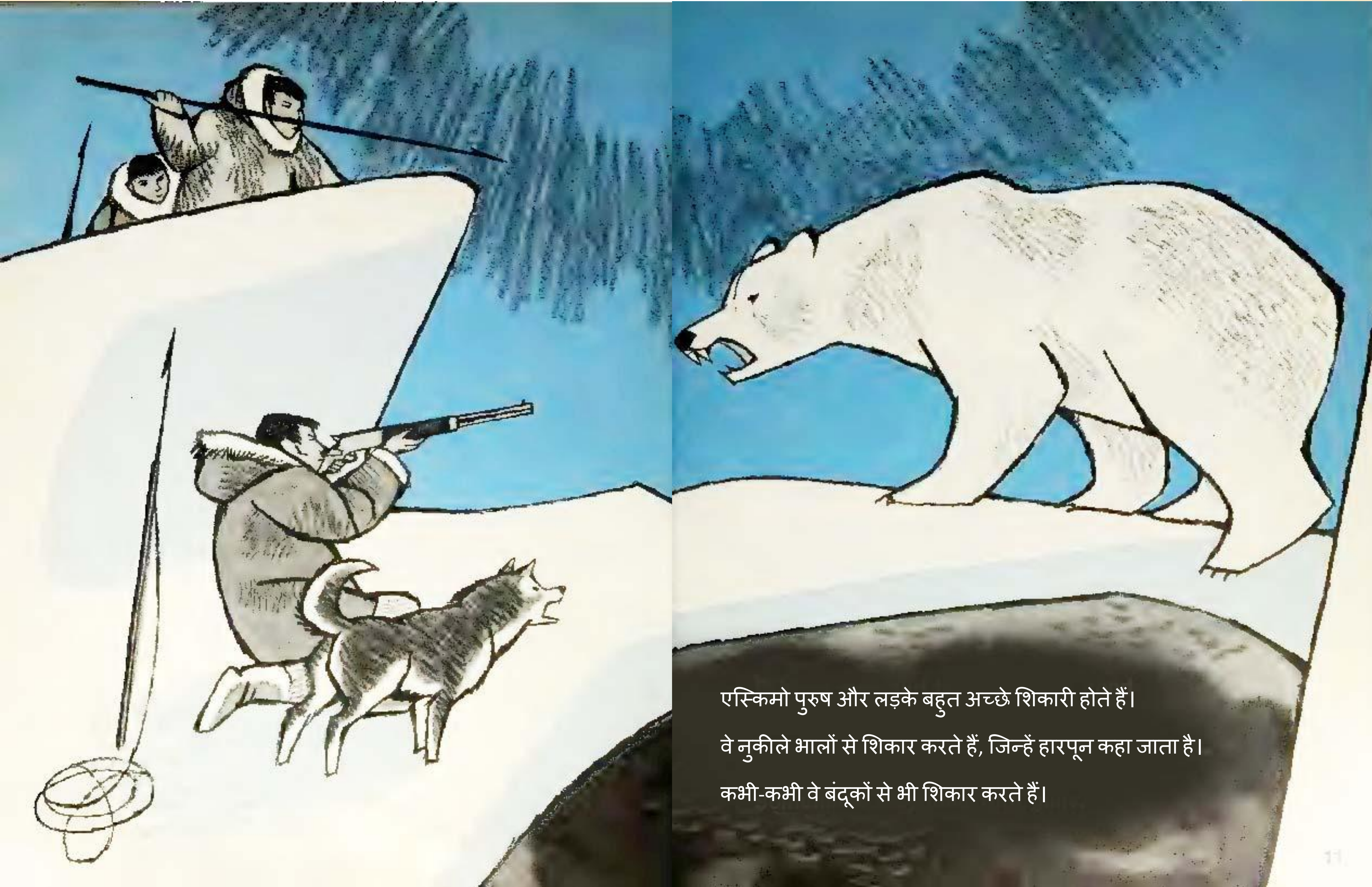
आर्कटिक की गर्मियाँ छोटी, धूप भरी, उजली और ठंडी होती हैं। गर्मी का मौसम इतना छोटा होता है कि सूरज सारी बर्फ को कभी पूरी तरह पिघला नहीं पाता। अधिकांश भूमि जमी हुई रहती है।

समुद्र में बर्फ के बड़े-बड़े पहाड़ तैरते रहते हैं।

जमीन साल भर जमी रहती है। इसे स्थायी तुषारभूमि कहा जाता है। इस जमी हुई भूमि में पेड़ नहीं उग सकते।

गर्मियों में आर्कटिक में केवल छोटे पौधे और छोटे-छोटे फूल ही उग पाते हैं, जिनकी जड़ें बहुत छोटी होती हैं।



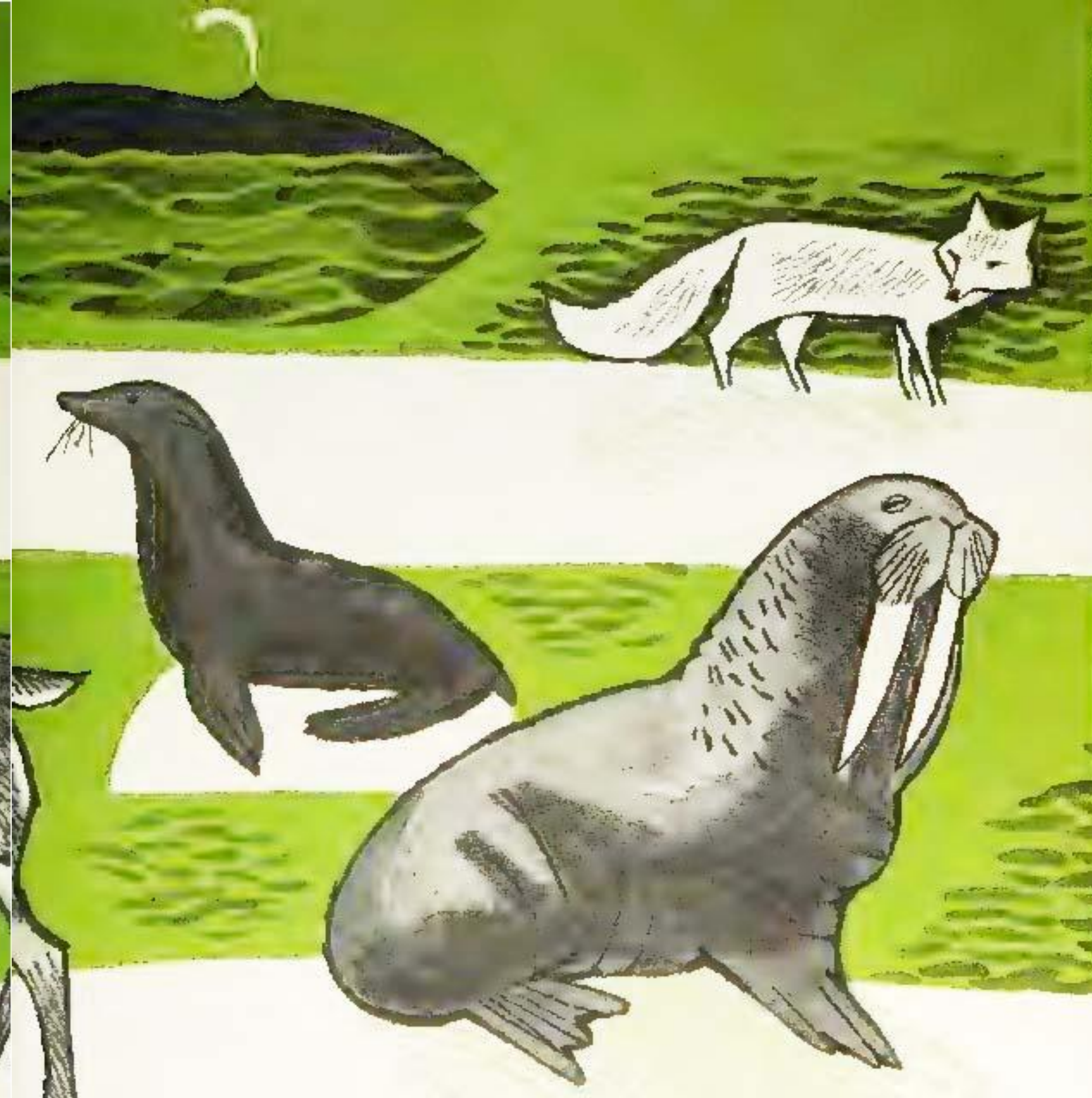


एस्किमो पुरुष और लड़के बहुत अच्छे शिकारी होते हैं।

वे नुकीले भालों से शिकार करते हैं, जिन्हें हारपून कहा जाता है।

कभी-कभी वे बंदूकों से भी शिकार करते हैं।





वे खरगोश और सफेद लोमड़ी जैसे छोटे जानवरों का शिकार करते हैं।

वे सील, वॉलरस, कैरिबू, ध्रुवीय भालू और व्हेल जैसे बड़े जानवरों का भी शिकार करते हैं।





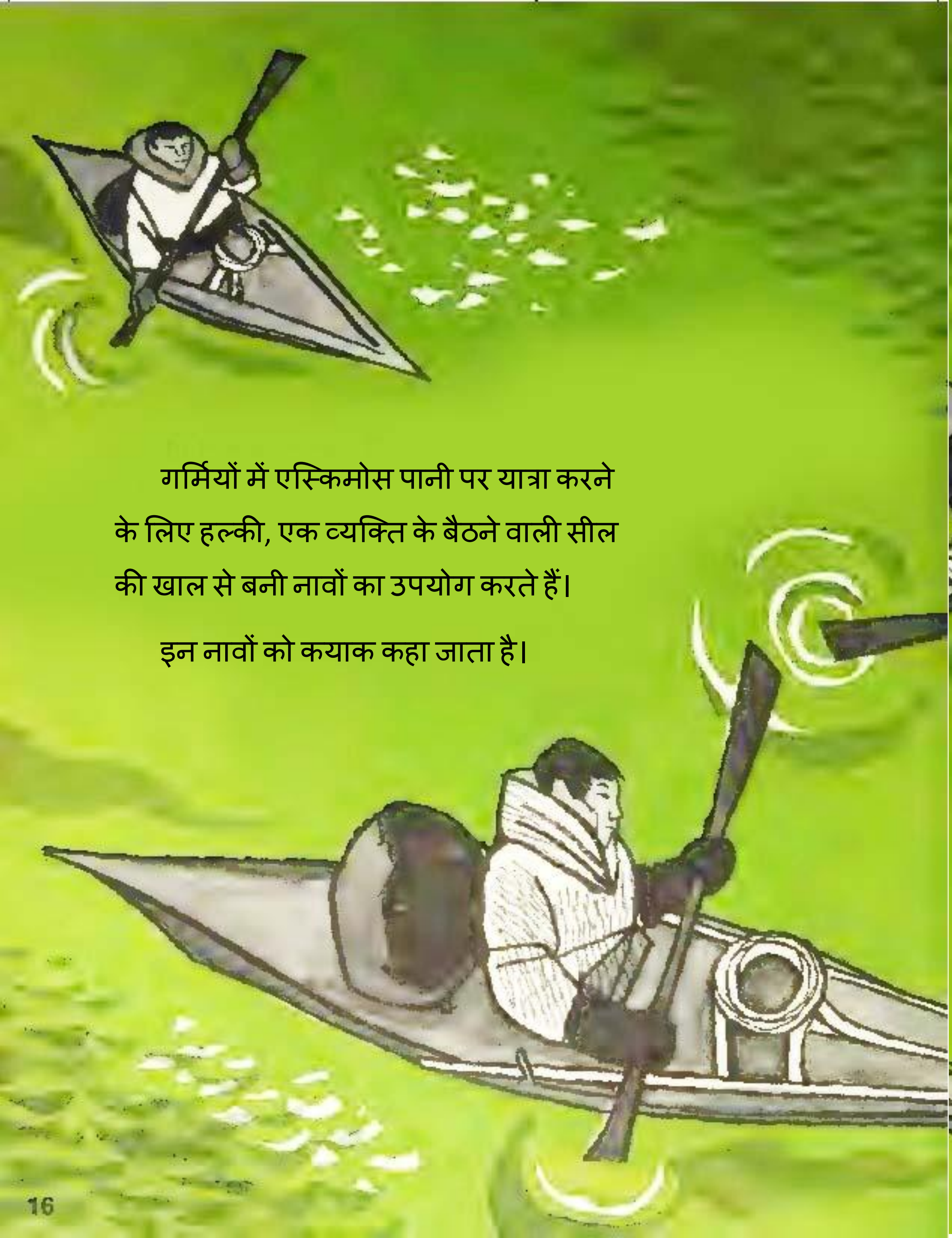
एस्किमोस भोजन की तलाश में हमेशा एक जगह से दूसरी जगह घूमते रहते हैं।

सर्दियों में वे बर्फ पर यात्रा करने के लिए कुत्तों द्वारा खींची जाने वाली स्लेज़ का उपयोग करते हैं।

इन एस्किमो स्लेज़ कुत्तों को हस्की कहा जाता है।

बहुत-से हस्की कुत्ते एस्किमो बच्चों के पालतू बन जाते हैं।

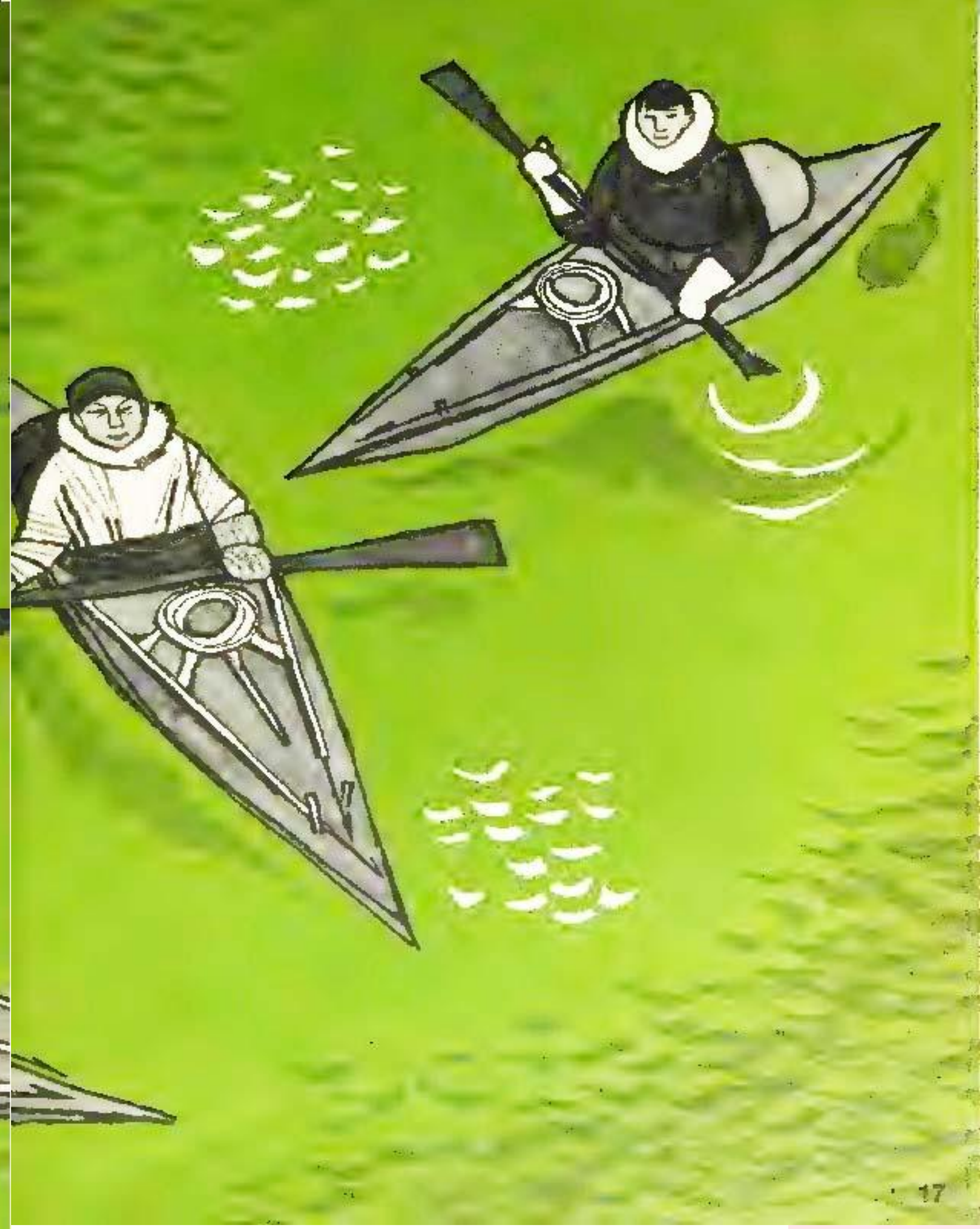




गर्मियों में एस्किमोस पानी पर यात्रा करने के लिए हल्की, एक व्यक्ति के बैठने वाली सील की खाल से बनी नावों का उपयोग करते हैं।

इन नावों को कयाक कहा जाता है।





एस्किमो पुरुष और लड़के अच्छे मछुआरे होते हैं।

कभी-कभी वे बर्फ में छेद करके उसके अंदर से मछलियाँ पकड़ते हैं।

वे जाल, भालों और काँटों वाली डोरियों से मछलियाँ पकड़ते हैं।

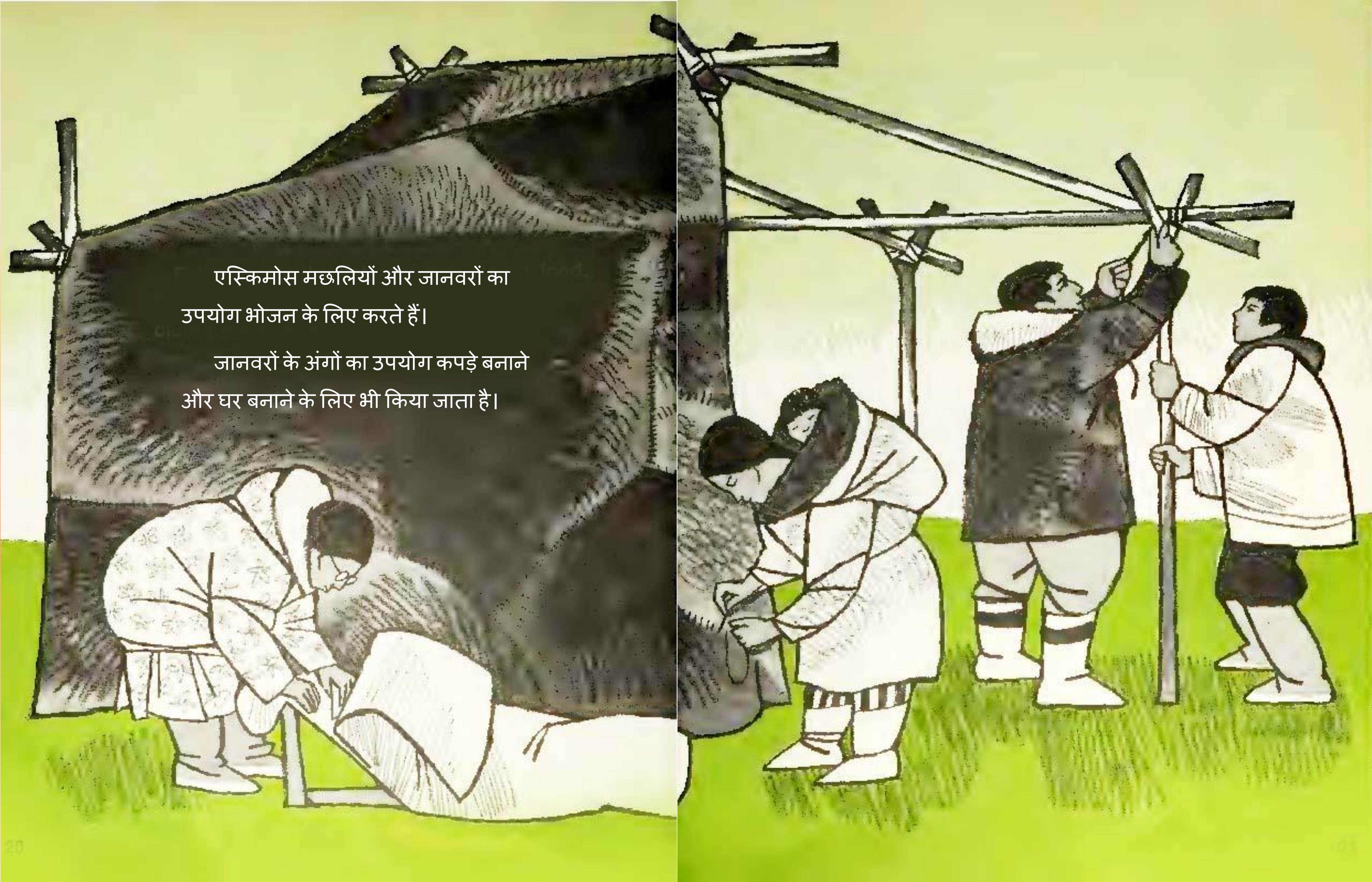
वे सैल्मन और ट्राउट मछलियाँ पकड़ते हैं। गर्मियों में वे समुद्री पक्षियों के अंडे भी इकट्ठे करते हैं।





एस्किमोस मछलियों और जानवरों का उपयोग भोजन के लिए करते हैं।

जानवरों के अंगों का उपयोग कपड़े बनाने और घर बनाने के लिए भी किया जाता है।





जानवर के हर हिस्से का उपयोग किया जाता है।

सारा मांस भोजन के काम आता है।

एस्किमो लोग अपने खाने के अधिकांश मांस को उबालकर खाते हैं।

कभी-कभी वे मांस कच्चा भी खाते हैं।

कभी-कभी मांस को जमा दिया जाता है या सुखा लिया जाता है।

बचा हुआ मांस स्लेज़ खींचने वाले कुत्तों को खिला दिया जाता है।







एस्किमो महिलाएँ और लड़कियाँ जानवरों की खाल और फर से गर्म कपड़े बनाती हैं।

वे खालों को खींचकर फैलाती हैं, सुखाती हैं, काटती हैं और सिलती हैं।

कैरिबू की खाल से वे पार्का सिलती हैं। ये हुड वाले गर्म फर के जैकेट होते हैं।

वे सील की खाल से घुटनों तक आने वाले जूते और चप्पलें बनाती हैं।

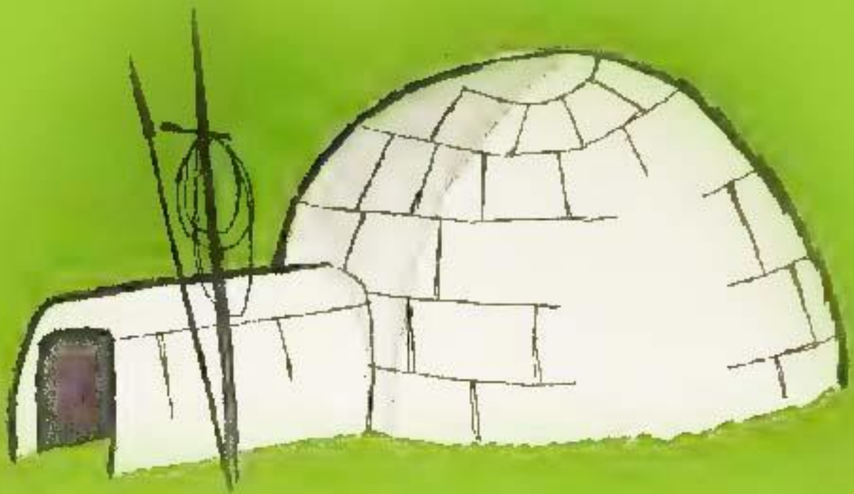


वे जानवरों की हड्डियों और दाँतों से बनी सुइयों से सिलाई करती हैं।

चाकू और हारपून भी हड्डियों और दाँतों से बनाए जाने वाले महत्वपूर्ण औज़ार हैं।

जानवरों की हड्डियों और खालों का उपयोग घर बनाने में भी किया जाता है।

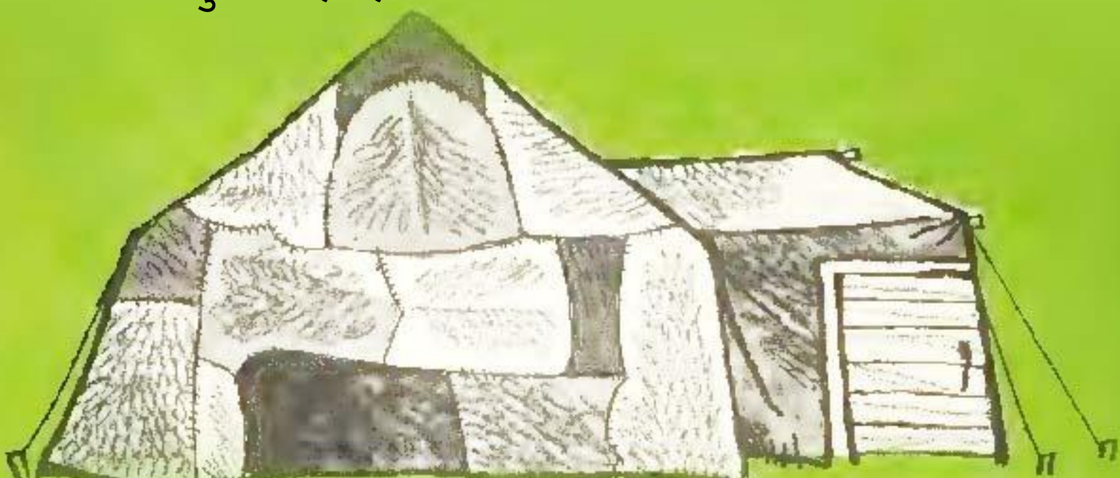




एस्किमोस के कुछ घर बर्फ और हिम से बनाए जाते हैं।

इन बर्फ के घरों का उपयोग केवल सर्दियों में किया जाता है, जब एस्किमोस शिकार के लिए एक जगह से दूसरी जगह जाते रहते हैं।

गर्मियों में बहुत-से एस्किमोस तिरपाल या जानवरों की खाल से बने तंबुओं में रहते हैं।





उनके कुछ घर पत्थर और लकड़ी से बने होते हैं।

आजकल वे अधिक-से-अधिक घर लकड़ी से बनाते हैं।

एस्किमोस के सभी घरों को इग्लू कहा जाता है।

इग्लू एस्किमो भाषा में “घर” के लिए इस्तेमाल होने वाला शब्द है।





बहुत-से घर छोटे-छोटे गाँवों में होते हैं।

ये गाँव अच्छे शिकार-स्थलों के पास और नदियों, झीलों तथा समुद्र के करीब बसे होते हैं।

इन गाँवों में चर्च, अस्पताल और दुकानें होती हैं।

बहुत-से परिवार फर बेचते हैं और व्यापारिक केंद्रों कहलाने वाली दुकानों से भोजन और कपड़े खरीदते हैं।



आजकल अधिकांश एस्किमो गाँवों में आधुनिक स्कूल हैं।

एस्किमो लड़के और लड़कियाँ स्कूल जाते हैं।

स्कूल में वे वही चीज़ें सीखते हैं, जो तुम सीखते हो।

घर पर वे एस्किमो लोगों की पुरानी जीवन-शैली के बारे में सीखते हैं।










लड़के और लड़कियाँ बहुत पुराने समय के एस्किमो नृत्य सीखते हैं।

वे एक बड़े, चपटे ढोल की ताल पर नृत्य करते हैं।

नृत्य करते समय वे कभी-कभी लकड़ी के मुखौटे भी पहनते हैं।

उनके नृत्य बीते हुए समय की कहानियाँ सुनाते हैं।



एस्किमोस खेल और खेलकूद का आनंद लेते हैं।

एस्किमो पुरुष और लड़के मुक्केबाज़ी और कुश्ती करना पसंद करते हैं।

महिलाएँ और लड़कियाँ रस्सी कूदना पसंद करती हैं।

परिवार गेंद खेलना पसंद करते हैं।





एस्किमोस का एक बहुत रोमांचक खेल खाल उछालना है।

बहुत-से लोग एक बड़ी वॉलरस की खाल को पकड़कर खींचते हैं, ताकि वह अच्छी तरह तनी रहे।

एक खिलाड़ी उस खाल पर चढ़ जाता है और उसे हवा में उछाला जाता है।

वह खाल पर ऊपर-नीचे उछलता है।

वह हर बार पहले से ऊँचा उछलता जाता है।

जो खिलाड़ी सबसे ऊँचा उछलता है, वही खेल जीतता है।



बहुत-से एस्किमोस अच्छे कलाकार होते हैं।

वे वॉलरस के दाँत की हाथीदाँत जैसी कठोर सामग्री से तरह-तरह की चीज़ें तराशते हैं।

वे लकड़ी और पत्थर से भी बहुत-सी चीज़ें तराशते हैं।

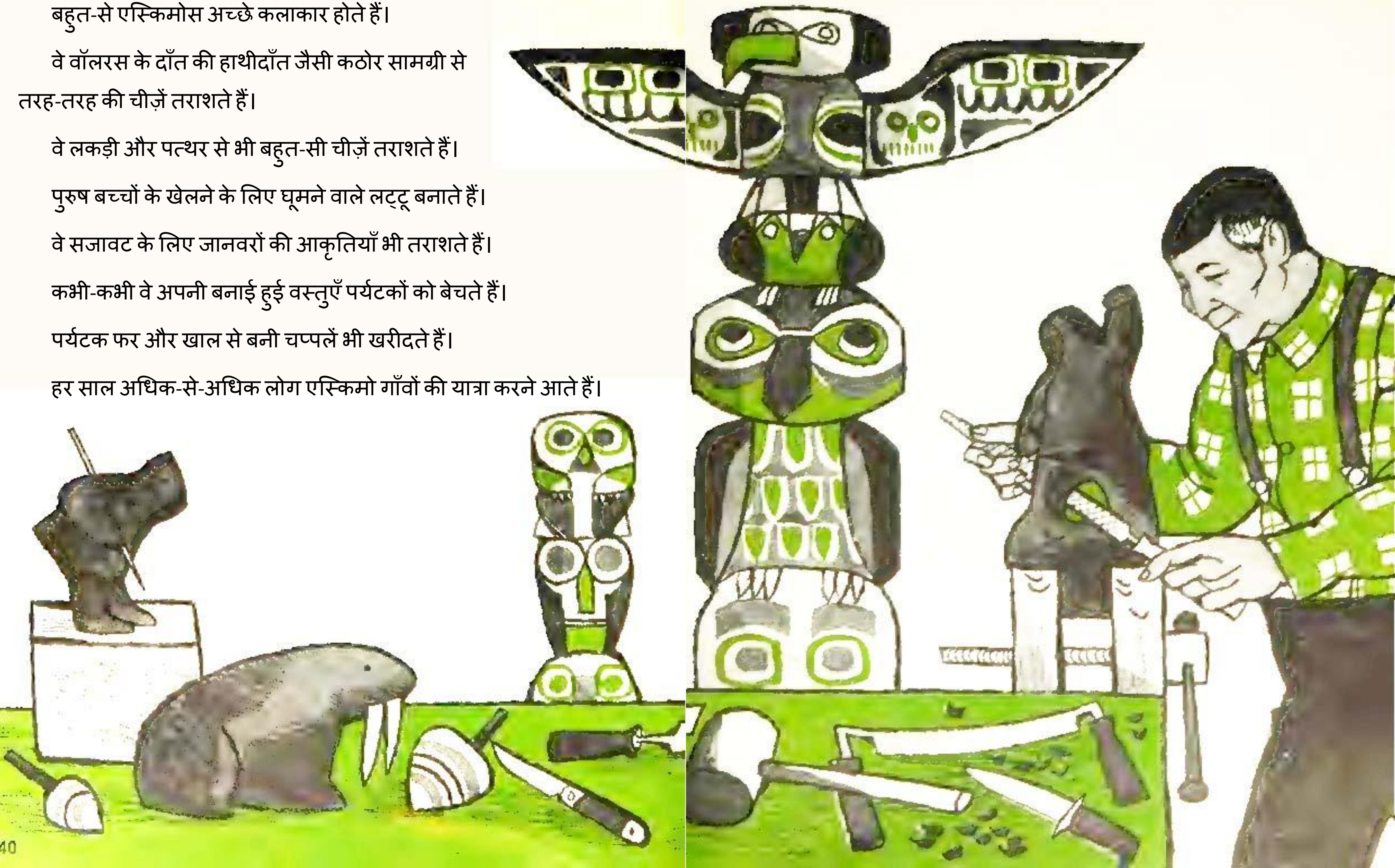
पुरुष बच्चों के खेलने के लिए घूमने वाले लट्टू बनाते हैं।

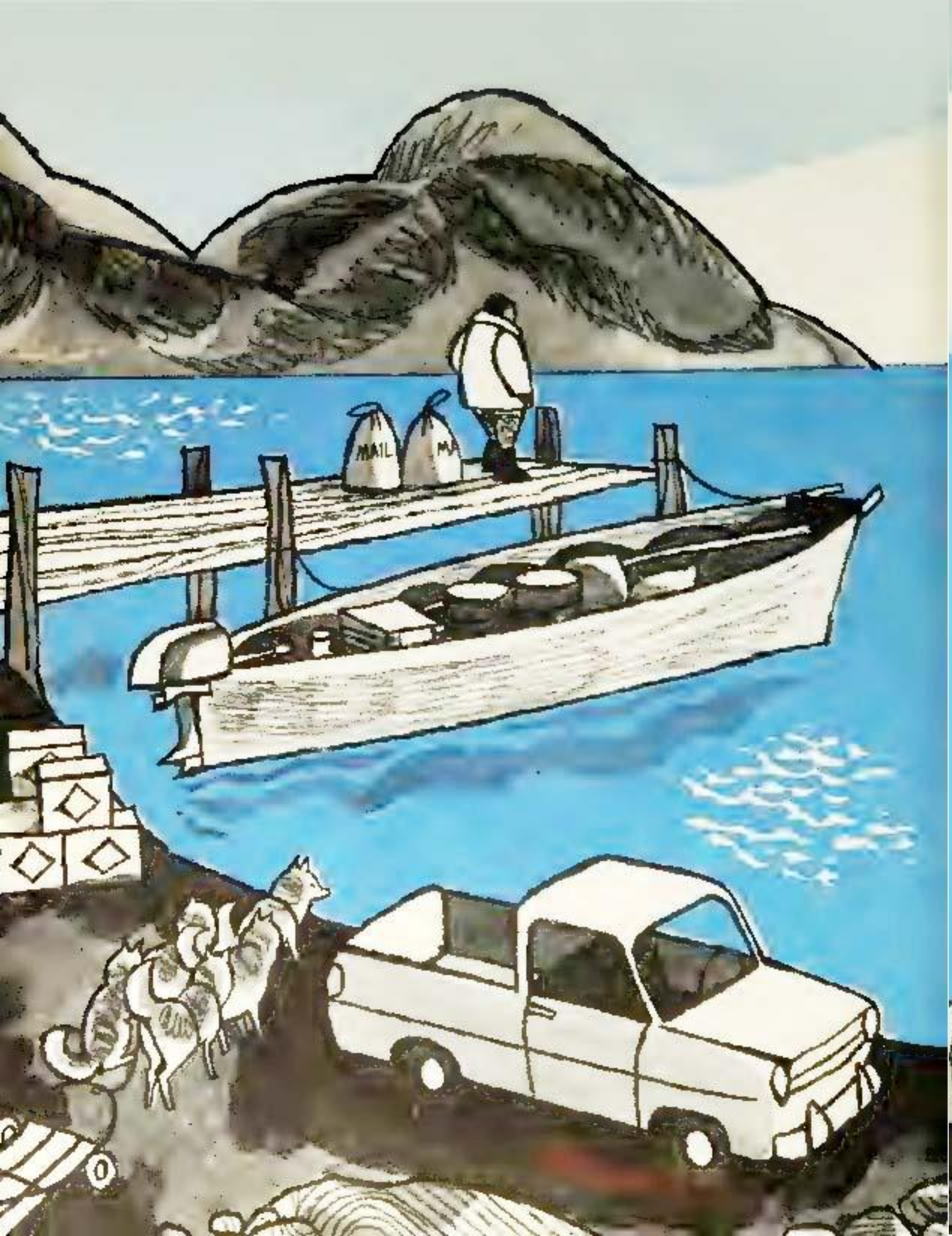
वे सजावट के लिए जानवरों की आकृतियाँ भी तराशते हैं।

कभी-कभी वे अपनी बनाई हुई वस्तुएँ पर्यटकों को बेचते हैं।

पर्यटक फर और खाल से बनी चप्पलें भी खरीदते हैं।

हर साल अधिक-से-अधिक लोग एस्किमो गाँवों की यात्रा करने आते हैं।







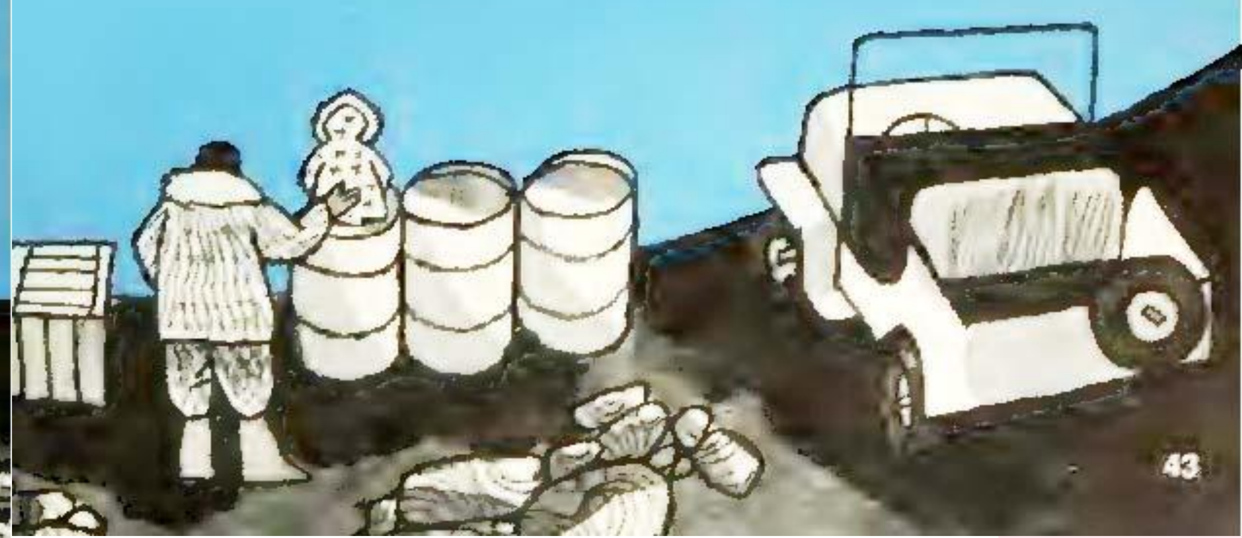

लेकिन एस्किमोस की जीवन-शैली बदल रही है।

आजकल एस्किमोस आधुनिक औज़ारों और मशीनों का उपयोग करते हैं।

कुछ एस्किमो अपनी बड़ी खाल से बनी नावों में आधुनिक मोटर भी लगाते हैं।

जहाँ बर्फ नहीं होती, वहाँ कुछ लोग कुत्तों की स्लेज़ में पहिए लगाकर उनका उपयोग करते हैं।

आजकल वे कार, जीप और हवाई जहाज़ से भी यात्रा करते हैं।



एस्किमो महिलाएँ आज भी घर पर कपड़े सिलती हैं।

लेकिन वे आधुनिक दुकानों से कपड़े खरीदती भी हैं।





आजकल एस्किमो पुरुष पहले की तुलना में कम शिकार करते हैं।

वे अपना बहुत-सा भोजन आधुनिक दुकानों से खरीदते हैं।



कुछ एस्किमो छोटे-छोटे गाँवों को छोड़कर जा रहे हैं।

वे शहरों में जाकर रहने और काम करने लगे हैं।

कुछ लोग शहरों के स्कूलों में पढ़ने जा रहे हैं, ताकि वे मैकेनिक, शिक्षक और नर्स बनना सीख सकें।

वे अपने लोगों को आधुनिक दुनिया में रहना सिखाएँगे।



